Manendra Singh

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

Paper- 4

हाशिए में न लिखे

प्रश्न संख्या

A

नैतिक सद्गुण

ऐसे तत्व जो व्यक्तिगत एवं पर्यावरणीय जीवन को अनुकूल बनाने हेतु अनिवार्य होते हैं। (प्लेटो)

यह एक मानसिक अवस्था है जो ऐच्छिक कर्मों में व्यक्त होती है एवं अभ्यास से उत्पन्न होती है।
ये व्यक्ति को सही गलत का बोध कराते है।

B

मनोवृत्ति के संघटक तत्व

- संवेगात्मक तत्व → भावना या इच्छा को जन्म
- संज्ञानात्मक तत्व → कार्य के अच्छे बुरे परिणाम बताना।
- व्यवहारात्मक तत्व → व्यवहार पर नियंत्रण रखना।

C

लोक सेवक के मूल्य

- कर्तव्यनिष्ठा।
- वस्तुनिष्ठता।
- सत्यनिष्ठा।
- ईमानदारी
- समयबद्धता।
- उत्तरदायित्व एवं पारदर्शिता।

प्रश्न संख्या	
D	सत्यनिष्ठा क्यों जरूरी
	(i) उत्तरदायित्व हेतु
	(ii) पारदर्शिता हेतु
	(iii) निष्पक्ष व तटस्थ प्रशासन हेतु
	(iv) संवेदी एवं जनोन्मुखी प्रशासन हेतु
E	कबीर के ग्रंथ
	(i) साखी
	(ii) शब्द
	(iii) रमैनी
F	करुणा की पहचान
G	विभेद →
	विभेद से तात्पर्य है दो व्यक्ति ~~व्यक्ति~~ के मध्य लिंग, जाति, धर्म, भाषा, आदि के आधार पर पक्षपात करना।
	यह पूर्वाग्रह का मूर्त रूप है

MGICS To Create a better Nation
महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट For Civil Services
G-13, Veda Business Park, Indore | 0731-4955044
132, M.P. Nagar, Bhopal | Ph. 0755-4296457
facebook.com/mgics /mgicsindoreofficial https://www.youtube.com/mahatmagandhiinstituteMgics /t.me/MGICS www.mgicsindore.co

हाशिए में न लिखे | प्रश्न संख्या

H

सहानुभूति →

किसी पीड़ित को देखकर उसके प्रति दयाभाव जागृत होना, सहानुभूति है। यह एक संवेग है।

उदाहरण → पीड़ित को सान्त्वना देना

समानुभूति →

पीड़ित की जगह स्वयं को रखना एवं समान पीड़ा का अनुभव करना।

उदाहरण →
किसी व्यक्ति की पीड़ा को स्वयं महसूस करना।

I

J

व्हिसल ब्लोअर

कम्पनी अधि- 2013 " यह ऐसा व्यक्ति होता है जो किसी संगठन में व्याप्त अनियमितता एवं अनैतिक प्रथा को उजागर करता है।

इनके रक्षण हेतु व्हिसल ब्लोअर अधि 2014 बनाया गया है।

To Create a better Nation
MGICS

प्रश्न संख्या	मुख्य परीक्षा म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

k

नव वेदान्ती
- विवेकानंद
- राजाराममोहन राय
- सर्वपल्ली राधाकृष्णन

l

जैन त्रिरत्न
- सम्यक् श्रद्धा
  - तीर्थंकर उपदेशों मे आस्था रखना
- सम्यक् ज्ञान
  - 5 ज्ञान
    - मति
    - श्रुति
    - अवधि
    - मनपर्याय
    - कैवल्य
- सम्यक् आचरण
  - पंचमहाव्रत का पालन
    - अस्तेय अहिंसा अपरिग्रह ब्रह्मचर्य सत्य

m

चार आर्य सत्य
- दुःख
  - सर्वत्र दुख है।
- दुःख समुदाय
  - दुख का कारण है
- दुख निरोध
  - दुख निवारण संभव है।
- दुख निरोधगामी प्रतिपदा
  - अष्टांगिक मार्ग द्वारा दुःख का अंत संभव

MGICS महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट For Civil Services
G-13, Veda Business Park, Indore | 0731-4955044
132, M.P. Nagar, Bhopal | Ph. 0755-4296457
facebook.com/mgics /mgicsindoreofficial https://www.youtube.com/mahatmagandhiinstituteMgics /t.me/MGICS www.mgicsindore.com

प्रश्न संख्या | हाशिए में न लिखे

11

समर्पण

किसी उद्देश्य के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की ऊँची तीव्रता की मनःस्थिति समर्पण है।

उदाहरण → जनकल्याण हेतु प्रशासकों का तन-मन-धन से कार्यरत रहना।

पूर्वाग्रह

किसी व्यक्ति / वस्तु / स्थान के प्रति बिना तर्क के निर्णय लेना या मनोवृत्ति निर्मित कर लेना।

उदाहरण →
जाति आधारित - ठाकुर - अत्याचारी, ब्राह्मण - लालची
लिंग आधारित - महिलाएं पुरुष से कम दक्ष है।

MGICS
To Create a Better Nation

प्रश्न संख्या	2:40 min	**मुख्य परीक्षा** म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

2 0

नैतिक दुविधा।

जब कोई लोकसेवक के समक्ष दो नैतिक सिद्धान्तों के बीच टकराव होता है तो नैतिक दुविधा की स्थिति उत्पन्न होती है

नैतिक दुविधा →
- आत्मरक्षार्थ
- विकल्प संघर्ष से उत्पन्न
- अनेक विकल्पों के कारण उत्पन्न

प्रकार की होती है।

उदाहरण के लिए एक लोक सेवक है जिन्हें ऐसा निर्णय लेना हो जो सार्वजनिक हित हेतु जरूरी है। किन्तु ऐसे निर्णय से उनकी जीवन पर संकट हो सकता है या फिर उनकी आजीविका छीनी जा सकती यह आत्मरक्षार्थ नैतिक दुविधा है

इसके अलावा यदि लोकसेवक के सामने यह द्वन्द हो कि उसके सामने उनका परिवार सदस्य है जिसने अनैतिक कार्य किया है और संस्थागत मूल्य यह कहते है कि उसे दण्डित करना तो यहाँ व्यक्तिगत एवं संस्थागत मूल्यों में टकराव होगा। यह स्थिति भी नैतिक दुविधा है

MGICS To Create a Better Nation

इसके समाधान → विधि का सहारा लेना।

सार्वजनिक हित का चयन करना।

तर्क के आधार पर निर्णय लेना

कर्तव्यनिष्ठ बने रहना।

MGICS
To Create a better Nation

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

हाशिए में न लिखे

B

भ्रष्टाचार नियंत्रण उपाय

(i) पारदर्शिता

सरकार के कार्यों मे खुलापन हो एवं समस्त निर्णयों एवं कार्यों का सार्वजनीकरण हो।

(ii) उत्तरदायित्व

सरकारी कर्मचारियों को उत्तरदायी बनाया जाए उन्हे अवहेलना पर दण्डित किया जाए।

(iii) औपचारिकताओं मे कमी लाए

सरकारी काम-काजो मे औपचारिकता कम हो अनावश्यक विलंब इन्स्पेक्टर राज पर नियंत्रण लाया जाए।

(iv) अधिक विवेकाधिकार शक्ति न देना

शासकीय कर्मचारियों को ज्यादा विवेकी शक्ति न प्रदान किया जाए।

(v) प्रभावी संस्था एवं कानून निर्माण

लोकपाल लोकायुक्त को मजबूत करे (विधायी वित्तीय संस्थागत) कानून मे व्याप्त कमियों को दूर करे।

(vi)

नैतिक दबाव निर्मित कराए - समाज एवं परिवार द्वारा।

महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट
MGICS
For Civil Services
G-13, Veda Business Park, Indore | 0731-4955044
132, M.P. Nagar, Bhopal | Ph. 0755-4296457
facebook.com/mgics /mgicsindoreofficial https://www.youtube.com/mahatmagandhiinstituteMgics /t.me/MGICS www.mgicsindore.com

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

(vi) आय एवं संपत्ति का ब्यौरा मांगा जाय

(vii) बलात्कार मामलों की त्वरित सुनवाई की जाए

(viii) न्यायपालिका एवं खुफिया एजेन्सी को भी लोकपाल के दायरे में लाएं।

MGICS
To Create a better Nation

हाशिए में न लिखे

मुख्य परीक्षा
म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

प्रश्न संख्या

कौटिल्य दर्शन

राजत्व संबंधी

(i) राज्य सर्वोपरि है सर्वोच्च है एवं इसका निर्णय अंतिम है। यह सामूहिक इच्छा से निर्मित होता है
(ii) राजा को ईश्वर के समान अधिकार है।
(iii) राज्य केन्द्रीकृत होना चाहिए एवं निरंकुशता कम हो।
(iv) राजा प्रजापालक, बुद्धिमान, निडर होना चाहिए।

सप्तांग सिद्धान्त

राज्य एक शरीर है एवं इसके 7 अंग इसके संचालन हेतु जरूरी है।

राजा - केन्द्रबिन्दु
पुरोहित - आँख
दुर्ग - भुजाएं
जनपद - पैर
मित्र - कान
कोष - मुख
दण्ड - मस्तिष्क

मंडल सिद्धान्त

(i) कमजोर राज्य को अपने समीप के शक्तिशाली राज्य से मिल कर रहना चाहिए।
(ii) साम्राज्य विस्तार करते हुए शत्रु की जगह मित्र संख्या बढ़ाए।

MGICS
महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट
For Civil Services
G-13, Veda Business Park, Indore | 0731-4955044
132, M.P. Nagar, Bhopal | Ph. 0755-4296457
facebook.com/mgics /mglcsindoreofficial https://www.youtube.com/mahatmagandhiinstituteMgics /t.me/MGICS

(vii) कमजोर राज्यों को मिल कर एक मंडल बनाना चाहिए ताकि बड़े राज्यों का प्रतिरोध कर सके।

(ix) शत्रु का शत्रु मित्र होता है।

विदेशी नीति - 6 सूत्री

(i) संधि - आक्रमण हेतु संधि करना।
(ii) विग्रह - युद्ध की घोषणा करना
(iii) संश्रय - रक्षा हेतु दूसरे की शरण लेना
(iv) यान - युद्ध की घोषणा के बगैर तैयारी करना।
(v) आसन - तटस्थ रहना।
(vi) द्वैधीभाव - एक से शांति स्थापित कर दूसरे से युद्ध करना।

MGICS
To Create a better Nation

D

गांधीजी आदर्शवादी विचारधारा

गांधीजी एक महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं विचारक थे उनके मुख्य विचार निम्न हैं-

सत्याग्रह सत्य + आग्रह
आशय - आत्मा की बातों पर अडिग रहना

उसके तीन तत्व हैं-
(I) सत्य (II) अहिंसात्मक आग्रह तथा आत्मपीड़ात्मक

सत्य - यह आत्मा की आवाज है, सत्य साध्य है किन्तु साधन भी उसके अनुकूल हो तब।

अहिंसात्मक आग्रह
कितना भी अत्याचार हो अहिंसक बने रहना

आत्मपीड़ात्मक
सत्य की राह मे मिलने वाले कष्टों को सहन करना एवं तनिक भी विचलित न होना।

बुनियादी शिक्षा
(I) रोजगार परक (II) व्यक्तित्व एवं चरित्र की निर्मिति
(IV) प्रकृति धर्मनिरपेक्ष (V) वैज्ञानिक दृष्टिकोण युक्त

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

हाशिए में न लिखे

ट्रस्टीशिप अवधारणा

गांधीजी की यह मौलिक विचारधारा धन समविभाजन का अहिंसात्मक मार्ग है।

इसके अनुसार उद्यमियों के धन के २-भाग स्वयं उपयोग तथा उससे ज्यादा धन जो है वह ट्रस्टीशिप के अधीन इस सिद्धान्त में

L. उद्यमी धन का स्वामी नहीं होता बल्कि जनता की ओर से उसका रक्षण करता है।

इस धन का उपयोग सार्वजनिक कल्याण में होना चाहिए

हरिजन — गांधीजी ने पूना पैक्ट के बाद आजीवन हरिजन उद्धार हेतु कार्य किया इस हेतु उन्होंने हरिजन सेवक संघ स्थापना की की

निष्कर्ष- गांधीजी एक महान विचारक थे उन्होंने स्वतंत्रता, हरिजन उद्धार, धार्मिक सद्भाव एवं आर्थिक समानता हेतु अपने विचार व्यक्त किये।

MGICS To Create a better Nation

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

हाशिए में न लिखें

E

रूढ़िवादिता (भारतीय संदर्भ)

किसी व्यक्ति वस्तु स्थान के प्रति बिना किसी तर्क के स्थायी नकारात्मक मनोवृत्ति निर्मित कर लेना रूढ़िवादिता है। इसकी खास बात यह है कि यह सार्वभौमिक है तथा सभी सदस्यों (समाज) द्वारा अनिवार्यतः पालन होती है।

उदाहरण →

दहेज, पर्दा, ~~प्रथा~~ अस्पृश्यता भारतीय समाज में व्याप्त रूढ़ियाँ हैं। इन रूढ़ियों को समाज में बाध्यकारी रूप दिया गया है। यदि कोई व्यक्ति अस्पृश्यता नहीं मानता उसे प्रताड़ित किया जाता है।

प्रभाव → रूढ़िवादिता के प्रभाव निम्न है।

(1)

(1) विभेद की उत्पत्ति होती है।

यह विभेद जाति आधारित, लिंग आधारित, धर्म आधारित हो सकती है। यह विषमता को जन्म देता है।

(ii) विकास का प्रसार कम रह जाता है।

अनेक वर्ग विकास एवं अवसर से वंचित रह जाते हैं।

(iii) शोषण मूलक संरचनाएं जन्म लेती है-

रूढ़ियाँ विशेष व्यक्ति/वर्ग का शोषण करती हैं।

(iv) यह विधि के प्रभाव को कम करती है-

क्योंकि रूढ़ियाँ समाज का अंग हैं अतः लोग विधियों को ताक में रख कर समाज का पालन करते हैं

इसीलिए दहेज, अस्पृश्यता आज भी जीवित हैं।

MGICS
To Create a better Nation

नैतिक मूल्य स्थापना के

उपाय

(1) परिवार एवं समाज

परिवार ही प्रथम पाठशाला होती है और समाज उस शिक्षा की परीक्षा होती है। हम ऐसे परिवार का निर्माण करें जो नैतिक मूल्यों का पालन करे तो उसकी संततियाँ भी नैतिक मूल्यों पर अडिग रहती है।

(ii) शिक्षा

नवनिहालों को औपचारिक व नैतिक शिक्षा प्रारम्भ से ही प्रदान किया जाए।

(iii) साहचर्य

सद्गुणों से युक्त व्यक्ति की संगति भी नैतिक मूल्य की स्थापना करती है।

(E) प्रबोधन

अच्छा प्रबोधन कर्ता भी किसी व्यक्ति में नैतिक मूल्यों का निर्माण कर सकता है।

(v) प्रोत्साहन

नैतिक मूल्य अपनाने, सदाचार पर लोगों की प्रशंसा एवं सम्मान करना।

MGICS महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट For Civil Services
G-13, Veda Business Park, Indore | 0731-4955044
132, M.P. Nagar, Bhopal | Ph. 0755-4296457
facebook.com/mgics /mgicsindoreofficial https://www.youtube.com/mahatmagandhiinstituteMgics /t.me/MGICS www.mgicsindore.com

राजा राम मोहन राय

7

(1) धर्म आधारित

(अ) आडम्बर, कर्मकाण्ड, मूर्तिपूजा का बहिष्कार करें।
(ब) एक ही ईश्वर है निर्गुण एवं निराकार है।
(स) मानवता को धर्म पर प्राथमिकता दें।

समाज

(1) सती प्रथा के उन्मूलन के प्रयास किये जाए।
(2) स्त्री शिक्षा एवं उत्तराधिकार के प्रयास
(3) अस्पृश्यता का दोष दूर करना

वैज्ञानिक

(1) वैज्ञानिक दृष्टिकोण आधारित शिक्षा दी जाए।
(11) शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी हो तथा विषय पाश्चात्य

आर्थिक

(1) परम्परागत उद्योगों की रक्षा हो।
(11) नए उद्योगों का सृजन करें।

राजनैतिक

(1) विधायी सुधार के सिफारिश
(11) सिविल सेवा में भारतीयों की संख्या बढ़ाना

G-13, Veda Business Park, Indore | 0731-4955044
132, M.P. Nagar, Bhopal | Ph. 0755-4296457
महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट For Civil Services
/t.me/MGICS www.mgicsindore.com
facebook.com/mgics /mgicsindoreofficial https://www.youtube.com/mahatmagandhiinstituteMgics
MGICS To Create a better Nation

5

आष्टांगिक मार्ग

बुद्ध ने चार आर्य सत्यों का वर्णन किया एवं इस दुख के निवारण हेतु आष्टांगिक मार्गों के चयन का विकल्प दिया।

बौद्ध भिक्षुओं हेतु इन मार्गों का पालन अनिवार्य था। ये निम्नलिखित है—

(i) सम्यक स्मृति → गलत धारणाओं का त्याग करना एवं सत्य को याद रखना।

(ii) सम्यक दृष्टि → यथार्थ दृष्टिकोण रखना आर्य सत्यों को समझना।

(iii) सम्यक संकल्प → हिंसा से दूर रहने, घृणा, पाप, आदि से दूर रहने का संकल्प

(iv) सम्यक वाक् → अप्रिय वचनों का त्याग करना।

(v) सम्यक व्यायाम → नैतिक, आध्यात्मिक, मानसिक उन्नति हेतु प्रयास करना।

(vi) सम्यक आजीव → न्यायपूर्ण आजीविका अपनाना।

(vii) सम्यक कर्म → पंचमहाव्रतों के अनुसार कार्य करना।

(viii) सम्यक समाधि → मन एवं चित्त की एकाग्रता।

2

सप्तभंगीय सिद्धान्त

यह सिद्धान्त स्यादवाद का ही एक भाग है। सप्तभंगीय सिद्धान्त के अनुसार किसी भी वस्तु के संदर्भ मे 7 तरह के निर्णय लिए जा सकते हैं इन्हे सप्तभंगीय नय भी कहा जाता है।

सप्तभंगीय सिद्धान्त

(अ) स्याद अस्ति → शायद है

(ब) स्याद नास्ति शायद नहीं है

(स) स्याद अव्यक्तम् → शायद अव्यक्त है

(द) स्याद अस्ति च नास्ति शायद है नहीं है।

(य) स्याद अस्ति च अव्यक्तम् शायद है किंतु अव्यक्त है।

(र) स्याद नास्ति च अव्यक्तम् शायद नही है व अव्यक्त है

(ल) स्याद अस्ति च नास्ति च अव्यक्तम् शायद है नही है तथा अव्यक्त है।

जवाबदेही निर्माण में भूमिका (RTI)

(a)

जवाबदेहिता से तात्पर्य है अपने द्वारा किए गए कार्यों एवं निर्णयों के प्रति जनता, किसी सर्वोच्च संस्था के समक्ष जवाबदेह होना।

अर्थात जो कृत्य हम कर रहे हैं वे विधि अनुरूप हो ऐसा करने की बाध्यता।

RTI (सूचना का अधिकार अधिनियम - 2005) में प्रावधान है -

(1) सूचनाओं का आसानी से तय समय सीमा के अंदर न्यूनतम शुल्क उपयोग के साथ शासकीय सूचनाओं का जनता के समक्ष सार्वजनीकरण किया जाएगा।

ऐसा न किए जाने पर लोक सूचना अधिकारी को 250 रु/दिन के हिसाब से अर्थदण्ड देना होगा। साथ ही इस हेतु अपील राज्य या केन्द्रीय सूचना आयोग के समक्ष हो सकेगी।

अतः स्पष्ट है कि यह अधिनियम पारदर्शिता में अभिवृद्धि करता है जो जवाबदेहिता का अनिवार्य तत्व है हालांकि यह शासकीय सूचनाओं तक ही सीमित है किंतु जवाबदेहिता के निर्माण में

MGICS
महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट
For Civil Services
G-13, Veda Business Park, Indore | 0731-4955044
132, M.P. Nagar, Bhopal | Ph. 0755-4296457
facebook.com/mgics /mgicsindoreofficial https://www.youtube.com/mahatmagandhiinstituteMgics /t.me/MGICS www.mgicsindore

सहयोगी है

प्रश्न संख्या
मुख्य परीक्षा
म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग
हाशिए में न लिखें

3 A

1

नैतिक दुविधा

पवन मेरा सहपाठी है आर्थिक रूप से कमज़ोर है अस्वस्थता के कारण वह सकारात्मक परिणाम न पा सका इसलिए पेपर खरीदने हेतु धन की माँग करता है।

(a) यदि मैं उसे धन देता हूँ =>

लाभ =>

(i) पवन अच्छे अंक ला कर प्लेसमेन्ट में बैठ सकेगा।

(ii) संभवतः प्लेसमेन्ट में सफल रह कर एक प्रतिष्ठित आजीविका प्राप्त करे।

(iii) उसकी आर्थिक समस्या का समाधान हो जाए एवं जीवन स्तर भी सुधरे।

हानि

(i) यह कार्य अनैतिक है तथा शैक्षणिक मूल्यों के विपरीत है।

(ii) आप भ्रष्टाचार का समर्पन करेंगे।

(iii) परीक्षा के औचित्य को विफल किया जा सकेगा।

(iv) प्लेसमेन्ट में बैठना उसकी सफलता की गारन्टी नहीं है।

महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट For Civil Services MGICS
G-13, Veda Business Park, Indore | 0731-4955044
132, M.P. Nagar, Bhopal | Ph. 0755-4296457
facebook.com/mgics /mgicsindoreofficial https://www.youtube.com/mahatmagandhiinstituteMgics /t.me/MGICS www.mgicsindore.com

प्रश्न संख्या

हाशिए में न लिखे

(b) अब यदि मैं उसे पैसे नहीं देता।

लाभ

(i) आप ईमानदार बने रहेंगे।

(ii) भ्रष्टाचार को प्रोत्साहित नहीं करेंगे।

(iii) नैतिक मूल्यों पर अडिग रहेंगे।

(iv) धन का दुरुपयोग नहीं करेंगे।

हानि

(i) पवन प्लेसमेंट से वंचित हो सकता है।

(ii) आपकी मित्रता समाप्त हो सकती है।

(iii) पवन अवसाद ग्रस्त हो सकता है।

(iv) पवन का भविष्य खराब हो सकता है।

निष्कर्ष

उपरोक्त नैतिक दुविधाओं को देखते हुए हमें नीति एवं तर्क का ही सहारा लेना चाहिए।

नीति यही कहती है कि सत्य पर अडिग रहे तथा ऐसा साधन भी अपनाए। अतः मुझे पवन की इस हल मे सहायता नहीं करनी चाहिए वरन् वैकल्पिक सहायता अवश्य करनी चाहिए।

(11)

मित्र के रूप में भूमिका एवं
कर्तव्य तथा कार्य

भूमिका एवं कर्तव्य
सहपाठी मित्र होने के नाते मेरी भूमिका
निम्न रहनी चाहिए-

(अ) उसे प्रेरित रखेंगे मौजूदा स्थिति में

जब वह अस्वस्थता के कारण परिणाम सकारात्मक नहीं
प्राप्त करता तो उसे अंतिम सेमेस्टर में अधिक
मेहनत करने के लिए प्रेरित करेंगे।

क्योंकि अभी अंतिम विकल्प हमारे पास शेष है
यदि वह इस सेमेस्टर में मेहनत करता है तो
निश्चित ही उसे प्लेसमेन्ट में स्थान प्राप्त होगा।

(ब) वैकल्पिक सुझाव देंगे

यदि मित्र का प्लेसमेन्ट न भी हो तो अवसर
समाप्त नहीं हो जाते वैकल्पिक अवसरों की
कमी नहीं है उसे अन्य संस्थानों में

MGICS महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट For Civil Services
G-13, Veda Business Park, Indore | 0731-4955044
132, M.P. Nagar, Bhopal | Ph. 0755-4296457
facebook.com/mgics /mgicsindoreofficial https://www.youtube.com/mahatmagandhiinstituteMgics /t.me/MGICS www.mgicsindore.com

व्यक्तिगत साक्षात्कार देने हेतु कहेंगे साथ ही अन्य शासकीय प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने की सलाह देंगे। यदि ऐसा उद्यम प्रारम्भ करने में सहायता करेंगे जो कम निवेश के साथ प्रारम्भ होता हो।

(iii) मार्गदर्शन करेंगे।

मित्र होने के नाते हमारा दायित्व यह है कि यदि मित्र पथभ्रष्ट हो रहा हो तो उसे सही मार्ग दिखाया जाए। उसे उसकी त्रुटि का अहसास कराएंगे तथा इसके संभावित दुष्परिणाम से परिचित कराएंगे।

उसे सत्य एवं ईमानदारी के मार्ग पर चल कर सफलता प्राप्ति हेतु निर्देशित करेंगे।

(iv) पुनः अवसाद में जाने से रोकेंगे

यदि वह सफल नहीं होता तो हमारा दायित्व है कि हम उसे समय दे उसके साथी बने ताकि वह अवसाद ग्रस्त हो कर अनुचित कदम न उठा सके।

महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट For Civil Services
MGICS
G-13, Veda Business Park, Indore | 0731-4955044
132, M.P. Nagar, Bhopal | Ph. 0755-4296457
facebook.com/mgics /mgicsindoreofficial https://www.youtube.com/mahatmagandhiinstituteMgics /t.me/MGICS www.mgicsindore.com

मुख्य परीक्षा
म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग
हाशिए में न लिखे

उचित आर्थिक सहायता करके

छोटे-छोटे फंड संग्रहित करके या बचत करके उसकी आर्थिक सहायता करना मित्र होने के नाते हमारा कर्तव्य है।

निष्कर्ष →

मित्रता के नाते हमारा कर्तव्य है कि हम मित्र को पथभ्रष्ट होने से रोके साथ ही उसे प्रेरित करें तथा उसके मार्गदर्शक भी बनें।

MGICS
To Create a better Nation

प्रश्न संख्या

हाशिए में न लिखे

B विषय- लोक सेवा मे लोक सेवक के कर्तव्य एवं सामाजिक संघर्ष

(1) नैतिक समस्या

इस क्षेत्र की नैतिक समस्याए निम्न है-

(i) रूढ़िवाद → (अ) सामंती व्यवस्था का चलन है
(ब) जातिवाद गहरा है
(स) परस्पर घृणा

(ii) स्वार्थवाद → (अ) अपने निजी हितों का पोषण
अन्य का शोषण

(iii) विभेद (ब) जातिगत विभेदों के कारण विकास अवरुद्ध है।

(iv) वस्तुनिष्ठता का पतन
प्रशासकों, जो पूर्व मे पदस्थ थे उनमे वस्तुनिष्ठता की कमी परिलक्षित होती है।

(v) कर्तव्यनिष्ठा का लोप
राजनीतिज्ञो व प्रशासको मे कर्तव्यनिष्ठा का सर्वथा आभाव भी विकास अवरुद्ध होने का कारण है

(vi) पूर्वाग्रह
एक जाति का दूसरे के प्रति पूर्वाग्रह परस्पर घृणा एवं संघर्ष पैदा कर रहा है।

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

6

प्रशासन मे जातिवाद व समाधि उपाय

निश्चित ही प्रशासन मे जातिवाद होता है क्यो कि उदाहरण ले तो-

(i) उत्तरप्रदेश मे जब समाजवादी पार्टी की सरकार का आगमन हुआ तो उच्च पदो पर 'यादव' समाज के लोगो की संख्या बढ़ गई।

(ii) कानपुर पुलिस हत्याकांड केस मे विकास दुबे की मौजूदा डी.आई.जी. से साठ-गाठ इसके प्रमाण है।

उपाय

(i) प्रशासनिक आचरण संहिता को बाध्यकारी करना तथा अवहेलना पर दण्ड देना।

(ii) प्रशिक्षण मे तटस्थता हेतु उपाय बताना

(iii) प्रशासन को राजनीति मे साठ-गाठ न करने देना

(iv) सहिष्णुता की भावना का विकास सभी कर्मियों में करना।

(v) पूर्वाग्रहो को समाप्त करना जिनके कारण ऐसा होता है

(vi) औपचारिक शिक्षा व्यवस्था जो समानता को बल दे।

MGICS
To Create a better Nation
महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट For Civil Services
facebook.com/mgics /mgicsindoreofficial https://www.youtube.com/mahatmagandhiinstituteMgics
G-13, Veda Business Park, Indore | 0731-4955044
132, M.P. Nagar, Bhopal | Ph. 0755-4296457
/t.me/MGICS www.mgicsindore.com

C प्रशासन में असम्बद्धता क्यों जरूरी है कितना आवश्यक है (प्रकरण के संदर्भ में)

प्रशासन का राजनीतिक दल या विचारधाराओं से स्वतंत्र होना चाहिए क्यों कि -

(a) राजनीतिक व प्रशासनिक सांठ-गांठ भ्रष्टाचार को बल देता है।

(b) यह सांठ-गांठ एक दूसरे के गलत कार्यों में संरक्षण देता है।

(c) राजनीतिक विचारधाराएं विरोध करने पर प्रशासन को मजबूर कर सकती है जैसा प्रकरण में बताया गया कि जाति विशेष के लोगों के साथ कोई भेदभाव हुआ है।

(d) यह सांठ-गांठ उपयोगिता आधारित होती है जिससे दोनों को ही लाभ होता है किन्तु इससे विकास अवरुद्ध होता है तथा लोकतंत्र का पतन होता है जैसा प्रकरण में दिखाई देता है।

(e) राजनीति के समर्थित प्रशासकों को एक जगह जमे रहने की स्वतंत्रता देती है जिससे वे भ्रष्ट गतिविधियों

में राजनीतिज्ञों का साथ देते हैं।

1

भावनात्मक बुद्धिमत्ता कैसे सहायक

वर्णित क्षेत्र की समस्याएं है-

(i) रूढ़िवादिता (ii) जातिवाद (iii) आर्थिक पिछड़ापन
(iv) प्रशासनिक -राजनीतिक स्वार्थ एवं उदासीनता

संवेगिक बुद्धि में सबसे 'आत्मजागरूकता' जिलाधिकारी को स्वयं के संवेगों की पहचान कराती है, उसे यह बतलाती है उसे निर्णय कैसे लेने है और संवेग से अपने निर्णय को प्रभावित नहीं होने देना है जैसा कि उस क्षेत्र में पूर्व अधिकारीगण जाति के आधार पर करते है।

आत्मनियमन उसके नकारात्मक संवेगों को जो उसे विचलित कर सकते है उन्हे नियंत्रित रख कर तटस्थ एवं निष्पक्ष बनाते है।

वह इस जटिल सामाजिक संरचना वाले क्षेत्र मे हो सकता है राजनीतिज्ञो द्वारा दबाव डाला जाए किन्तु वह बिना निराश हुए अपने कर्तव्य पालन हेतु अभिप्रेरित रहेगा।

संवेगिक बुद्धि की समानुभूति के द्वारा वह शोषित नेगलेक्ट किए गए लोगो की पीड़ा महसूस कर सकेगा

MGICS
महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट
For Civil Services
G-13, Veda Business Park, Indore | 0731-4955044
132, M.P. Nagar, Bhopal | Ph. 0755-4296457
facebook.com/mgics /mgicsindoreofficial https://www.youtube.com/mahatmagandhiinstituteMgics /t.me/MGICS www.mgicsindore.com

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

हाशिए में न लिखे

इस प्रकार जिलाधिकारी अपनी भावनात्मक बुद्धिमत्ता की सहायता से एक तटस्थ निष्पक्ष समानतापरक प्रशासन की स्थापना कर सकेंगे।

MGICS
To Create a better Nation

८

जिलाधिकारी के रूप मे जिले के विकास की रणनीति

(i) सबको साझा मंच प्रदान करना

सभी जाति वर्ग के लोगों को एक मंच पर आमंत्रित करना उनकी परस्पर समस्याओ से अवगत होना एवं सामूहिक सहमति से निष्कर्ष निकालना।

(ii) जनजागरूकता अभियान चलाना

लोगो को नियम कानूनो से परिचित कराना उन्हें अधिकार बताना, शोषण की स्थिति मे तत्काल मदद की योजना बनाना।

(iii) जिले मे पनप रहे द्वेष का कारण जानना एवं इसकी मूल समस्या क्या है पहचान करना
जिन लोगों द्वारा इस भावना को प्रोत्साहित किया जा रहा हो उन्हे चेतावनी देना पुनः ऐसा करने पर दाण्डिक कार्यवाही किया जाना

(iv) जिले मे चलरही योजनाओ पर निगरानी रखना। योजनाए अपने लक्ष्य तक पहुँचे एवं सबको लाभ मिले ऐसा प्रयास करना

(7) जिले में प्रस्तावित अवसंरचना निर्माण के कार्यों पर नजर रखना एवं उनकी गुणवत्ता एवं समय सीमा पर निगरानी रखना।

(8) निवेशकों को आसानी से पर्यावरण, भू-अधिग्रहण एवं अन्य अनुमतियाँ उपलब्ध कराना ताकि जिले में निवेश बढ़ सके।

(9) जिले में स्वास्थ्य एवं सुरक्षा व्यवस्था में सुदृढ़ करना ताकि विकास संचालित हो।

(10) शिक्षा गुणवत्ता पर नजर बनाए रखना ताकि विभेदों से ऊपर उठकर तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण से युक्त युवा समूहों का निर्माण हो।

(11) बीच-बीच में युवाओं से जनसंवाद करना उन्हें मिथ्या तथ्यों एवं धारणाओं का त्याग कर उन्नति के मार्ग का चयन करने हेतु मार्गदर्शन करना।

उन्हें प्रेरित करना।